केंद्रीय विद्यालय जगदलपुर

e-विद्यालय पत्रिका

अभिव्यक्ति का आरोह

2016-17

संरक्षक

सुश्री चंदना मंडल

उपायुक्त-केंद्रीय विद्यालय संगठन

रायपुर संभाग

श्री धनंजय देवांगन(भारतीय प्रशासनिक सेवा)

कलेक्टर जिला-बस्तर, एवं अध्यक्ष

विद्यालय प्रबंध समिति

श्री विकास गुप्ता

प्राचार्य

केंद्रीय विद्यालय जगदलपुर

संपादक मंडल

1. डॉ चंद्रजीत यादव(पी.जी.टी. हिंदी)
2. श्री अजीत सिंह(पी.जी.टी. अंग्रेजी)
3. डॉ सीताराम सुवन(टी.जी.टी. हिंदी)
4. श्री प्रमोद कुमार (टी.जी.टी. अंग्रजी)

छात्र संपादक

1. कु. ऋचा साहू(12 वी वाणिज्य)
2. आदर्श गुप्ता(9 वी 'अ')
3. तरुण हालदार(9 वी 'अ')

आवरण-रेखांकन

श्री कमल कुमार नाग(कला शिक्षक)

टंकण एवं सयोजन

श्री रविन्द्रउपाध्याय((पी.जी.टी. संगणक विज्ञान)

श्री भास्कर झा (संगणक अनुदेशक)

शुश्री बबली शील(संगणक अनुदेशक)

विषयसूची

क्रमांक	रचनाएं	रचनाकार	कक्षा एवं वर्ग	पृष्ठ संख्या
1	विद्यालय की प्रमुख गतिविधियां	डॉ चंद्रजीत यादव (पी.जी.टी. हिंदी)	हिंदी अनुभाग	5
2	आई एक खबर	माहि बिसेन	4 थी स	8
3	ऐसी सीख मिली	कलिका पारधी	9 वी अ	8
4	कविता	राज, पायल	10वी, स 10 वी, स	9
5	पढ़ना मना है	प्रथा दुबे	8वी स	9
6	प्रकृति	शुभ देवांगन	8वीस	9
7	मन करता है	राज ध्रूव	10वि स	10
8	भारत का हर बच्चा	वैष्णवी आर्य	9 वी स	10
9	चौक का ब्लैक बोर्ड से संवाद	कलिका पारधी	8वीअ	
13	सुविचार	गरिमा शर्मा	8वीस	12
14	ख़ुशी के खजाने	गरिमा शर्मा	8वीस	12
15	मुक्तक	डॉ चंद्जीतयादव(पी.जी.टी. हिंदी	हिंदी अनुभाग	13

16	हितकारिणः पादप	सुरेन्द्र कुमार मेंहरा (शास्त्री)संस्कृत अध्यापक)	*संस्कृत अनुभाग*	*14*	
17	MY SCHOOL!	*Mr. Ajit Singh*	*English Department*	*15*	
18	Education	Koustan Mandal	5th B	*16*	
19	Meaning Of Teacher	**BhaskarJha, Computer instructor)**	*कंप्यूटर अनुभाग*	*116*	
	Miscalling (Short story)	**(Ajit Singh PGT English)**	*English Department*	*17-20*	
	Article How to do secure online transaction	**Mr. R.K. Upadhayay (PGT CS)**	*कंप्यूटर अनुभाग*	*21-22*	
	Paintings	कमल कुमार नाग	कला अनुभाग	*23*	
	Photo Gallery	भास्कर झा	कंप्यूटर अनुभाग	*24-28*	
	समाचारपत्रो में विद्यालय	वंदनी जोहरी	पुस्तकालय	*29*	
	विद्यालय परिवार			*30-31*	

संपादकीय

सहृदय पाठकगण,

जो अंतस से कभी सौदा नहीं करते ,

नफरतें पालकर मुहब्बत को जुदा नहीं करते,

संवारते पिंड पानी से, हूँ मुरीद मैं उनका

जो किसी और की जड़ों को खोदा नहीं करते |

विद्यालय रूपी भूमि में विद्यार्थी रूपी बीज को अंकुरित पल्वित एवं पुष्पित हो कर पनपने और निखरने का पौष्टिक आहार रूपी e-विद्यालय पत्रिका का यह मंच बाल मन की भावनाओ संवेदनाओ को सँभालने सवारने तथा सजाने का अवसर है | e-विद्यालय पत्रिका (**अभिव्यक्ति का आरोह**) का यह प्रथम अंक नव रचनाकारों की नव्य धाराओं से प्रवाहित है| विद्यार्थियों में मौलिक सृजनात्मकता एवं कलात्मकता का समुचित विकास हो, प्रतिभाएं एक अच्छा इन्सान भी बनें| विश्वास है अपने इस उदेश्य में यह e-पत्रिका तरुण एवं बाल मन में साहित्यकता एवं गुणबोध, मानवीय संवेदना, पठनीयता, सजग एवं स्पष्ट सोच जैसे गुणों को विकसित तो करती ही है उनमें नैतिक बने रहने एवं मूल्यों को जीने हेतु अभिप्रेरित भी करती है |

तरुण एवं बाल कलाकारों की भावनओं को हमने आप के पास यथावत संप्रेषित करने का प्रयास किया है आशा है आप भी इन्हें इसी रूप में स्वीकार कर उदीयमान प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करेंगे पत्रिका के संक्षिप्त कलेवर में कुछ रचनाकार अपनी रचनाओं को न पाकर कृपया निराश न हों| आगामी अंक में आपकी रचनाएं प्रकाशित होंगी अतएव आप सृजनशील बने रहें|

संकलन संपादन एक दुरूह कार्य है किन्तु प्राचार्य जी की उदारता, प्रेरणादायी मार्गदर्शन तथा सम्पादक मंडल एवं छात्र-छात्राओं का अभूतपूर्व सहयोग ने इसे सहज बना दिया | एतदर्थ हम आप सभी के ह्रदय के आभारी हैं|

डॉ चंद्रजीत यादव

(पी.जी.टी. हिंदी)

विद्यालय की प्रमुख गतिविधियां

पाठ्य सहगामी क्रियाएँ -:-

शिक्षा का सर्वमान्य उद्देश्य विद्यार्थियों की अंतर्निहित प्रतिभा को बाहर लाकर उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करना हैं|इस अर्थ में विद्यालय के प्राचार्य श्री विकास गुप्ता जी के निर्देशन में यह केंद्रीय विद्यालय जगदलपुर निरंतर गतिमान हैं| इस क्रम में पाठ्य सहगामी क्रियाओं के अंतर्गत समस्त विद्यार्थियों को विभिन चार महापुरुषो (शिवाजी , रमन , अशोक एवं टैगोर) के नाम पर सदन का नामकरण कर समान रूप से वर्गीकृत किया गया हैं, और प्रत्येक विद्यार्थी को समान अवसर प्राप्त हो यह सुनिश्चित कर उनके बीच हिंदी ,संस्कृत ,अंग्रेगी काव्य पाठ ,निबंध लेखन , सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता ,एकल नृत्य ,समूह नृत्य ,एकल गान , समूह गान ,अनुछेद लेखन ,नारा लेखन,रंगोली ,फैंसी ड्रेस हिंदी, अंग्रेगी वाद विवाद, चित्रकला , कहानी , अन्त्याक्षरी, आशु भाषण, संविधान दिवस आदि पर सामान्य ज्ञान एवं अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन अंतरसदनीय स्तर पर किया जाता है | इन प्रतियोगिताओ के विजेताओ को प्रोत्साहित एवमं समानित करने के क्रम में वार्षिक उत्सव समारोह में पुरुस्कृत किया जाता है|

किशोर शिक्षा कार्यक्रम:- किशोरावस्था को जीवन का स्वणॅकाल कहा गया हैं यह वह अवस्था हैं जिसमें बच्चों के विकास की पराकाष्ठा होती हैं, नई क्षमताओं का अर्जन होता हैं एवं नई-नई चुनौतियों सामना करने की दक्षता का विकास चरमोत्कर्ष पर होता हैं | परंतु इस अवस्था में आने वाली शारीरिक, मानसिक सम्वेदनात्मक, नकारात्मक सोच, नशीले पदार्थो के सेवन का परिमाण आजीवन घातक होता हैं अतः किशोरो को ऐसे ज्ञान एवं कौशलों से आप्लावित करने की परम आवश्यकता हैं जिसमें एक स्वस्थ मानसिकता का जन्म हो, व्यवहार में कुशलता लाए स्वस्थ सामाजिक सम्बंध स्थापित हों, समाज तथा राष्ट्र को सम्पूर्ण नायकत्व प्राप्त हो | इस क्रम में सम्बंधित समस्याओ के समाधान के लिये विधालय में प्रार्थना सभा, CCA कालखण्ड तथा विभिन्न कक्षाओं में कक्षा VII से XII के छात्र-छात्राओ को विस्तृत जानकारी तथा जागरुक किया जाता हैं,जिसके तहत निबंध लेखन, नारा, पेंटिंग, रोचक एवं ज्ञानवर्धक कहानियाँ आदि कार्यक्रमों का समय-समय पर आयोज़न किया जाता हैं|

सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी : केंद्रीय विद्यालय संगठन का उद्देश्य विद्यार्थियों में शिक्षा के साथ-साथ समूचे विश्व की संस्कृतियों से रूबरू कराना तथा उनके प्रति सजग , सचेत एवं जागरूक करना भी हैं | इसी उद्देश्य से संगठन द्वारा प्रत्येक वर्ष रास्ट्रीय स्तर पर सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया जाता हैं जिसका प्रारभ विद्यालय स्तर से होता हैं | इस क्रम में वर्तामन सत्र 2017 में केंद्रीय विद्यालय जगदलपुर में संकुल स्तरीय सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें स्थानीय विद्यालय जगदलपुर के साथ साथ केंद्रीय विद्यालय क्लस्टर के सभी विद्यालयों ने प्रतिभागिता की|

हिंदी पखवाड़ा 2017:-

विद्यालय में 1 सिंतम्बर 2017 से 14 सिंतम्बर 2017 तक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया | इस दौरान राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु भिन्न-भिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया| राजभाषा हिंदी के अधिकाधिक - प्रयोग एवं प्रोत्साहन के उद्देश्य से अधिकारियों / कर्मचारियों / विद्यार्थियों के बीच विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया|

1 सिंतम्बर 2017 की प्रातः प्रार्थनासभा से हिंदी पखवाड़ा का शुभारम्भ प्राचार्य श्री विकास गुप्ता जी ने माँ सरस्वती के चित्र पर पुष्पार्पण एवं दीप जलाकर किया| इसी दिन प्रार्थना-सभा में डॉ चंद्रजीत यादव पी जी टी हिंदी (संयोजक) रा.भा.का. समिति ने हिंदी पखवाड़ा 2017 के अंतर्गत आयोजित होने वाले विविध कार्यक्रमों की घोषणा की तदानुसार 1 सिंतम्बर 2017 से 14 सिंतम्बर 2017 तक प्रार्थना सभा में आयोजित होने वाले समस्त कार्यक्रम हिंदी माध्यम में प्रस्तुत किये गए|

सतर्कता जागरूकता सप्ताह :- केंद्रीय विद्यालय जगदलपुर में दिनांक 30-10-17 से04-11-17 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया| इसके अंतर्गत दिनांक 30-10-17 को प्रार्थना सभा में विद्यार्थियों /शिक्षकों एवं समस्त कर्मचारियों द्वारा भ्रष्टाचार मुक्त भारत की शपथ ली गयी | इस क्रम में इस सप्ताह के अंतर्गत आयोजित होने वाले विविध कार्यक्रमों की सूची भी प्रस्तुत की गई| प्राचार्य श्री विकास गुप्ता जी ने इस आयोजन के सफलता की कामना की |

राष्ट्रीय एकता दिवस-31 अक्टूबर 2017 को लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल के जन्म दिवस पर विद्यालय में राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन किया गया| इस अवसर पर प्रार्थना सभा में सरदार बल्लभ भाई पटेल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर दसवीं के अंकुर मिश्रा ने एक सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया |

- विशेष प्रस्तुति के माध्यम से विद्यार्थियों ने 'एक भारत श्रेष्ठ भारत', थीम पर एक लघुनाटक प्रस्तुत किया , जिसमें निहित सन्देश था कि एकता में ही सबसे बड़ा बल हैं | अतः हम भारत की राष्ट्रीय एकता के लिए सदा संकल्पित रहें|

- सरदार बल्लभ भाई पटेल नें न केवल देश को आज़ाद कराने के लिए अंग्रेजों से लोहा लिया ,अपितु स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् देशी रियासतों की एकीकरण में भी अपना अपूर्व योगदान किया | उनकी अद्भुत सूझ-बुझ से ही बिना किसी रक्त- पात के भारत की सभी देशी रियासतों का भारत में विलय हो सका |

प्रार्थना सभा के पश्चात् एकता दौड़ का आयोजन किया गया , जिसमें विद्यालय के छठवीं से बारहवीं कक्षा तक के सभी विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की | राष्ट्रीय एकता की प्रतीक यह एकता दौड़ विद्यालय के मैदान मै संपन्न हुई| इसके अतिरिक्त विद्यालय के सी सी ऐ हाल में अपराहन 1:30 बजे से 2:40 बजे तक 'एकता में बल हैं ' विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 38 विद्यार्थियों ने भाग लिया|

सविधान दिवस:-केन्द्रीय विद्यालय संगठन क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर के निर्देशों के अनुपालना में संविधान दिवस 26 नवम्बर 2017 को रविवार का अवकाश होने के कारण विद्यालय में 25 नवम्बर 2017 शनिवार को प्रातः कालीन प्रार्थना सभा में **संविधान दिवस** मनाया गया| इस अवसर पर प्राथना सभा में समस्त विद्यार्थियों,शिक्षकों एव उपस्थित कर्मचारियों द्वारा संविधान की प्रस्तावना को दोहराया गया कक्षा १० वी स की छात्रा **तनिष्का** द्वारा **संविधान की प्रस्तावना** को पढ़ कर सब को सुनाया गया तथा **सेलिना** कक्षा १० वी स के' द्वारा भारतीय संविधान दिवस के आयोजन के महत्व को विस्तार पूर्वक स्पष्ट किया गया | विद्यालय के शिक्षक श्री गोविन्द नारायण पाठक (टी. जी. टी. सामाजिक विज्ञान) ने संविधान दिवंस के आयोजन का महत्व तथा भारतीय संविधान की मूलभूत विशेषताओं का उलेख किया| प्राचार्य श्री विकास गुप्ता जी ने इस अवसर पर संविधान दिवस की शुभकामना व्यक्त करते हुए नागरिकों के मूल अधिकारों एव कर्तव्यों का प्रहरी एवं रक्षक के रूप में संविधान के महत्व को स्पष्ट किया | कार्यक्रम का सञ्चालन डॉ चंद्रजीत यादव (पी जी टी - हिंदी) द्वारा किया गया|

डॉ चंद्जीत यादव

पी.जी.टी हिंदी

आई एक खबर

(माहि बिसेन -4थी स)

अभी खबर दिल्ली से आई,

मक्खीरानी उसको लायी |

टिड्डे ने हाथी को मारा,

हाथी क्या करता बेचारा

?

घुस बैठा मटके केअंदर,

मटके में थे ढाई बंदर,

उन्हें देखकर हाथी रोया,

रोते-रोते फिर वहसोया |

रुकी नहीं आसू कि धारा,

मटका बना समुन्दर खारा |

लगे डूबने हाथी बंदर,

फसे हुए थे उसके अंदर |

रोना सुनकर आया मच्छर,

लात जमाया उसने कसकर,

मटका फुटा बहा समुन्दर,

निकल पड़े सब हाथी बंदर |

ऐसी सीख मिली

(कलिका पारधी आठवी अ)

जब भी रात में हम गाड़ी चलते हैं तो उसकी लाइट चालू करके चलाते हैं |

सीख :- जिस रास्ते में चले उसे रोशन या रोशनी करते हुए चले |

जब भी अंधेरा होता हैं हम लाईट चालु करते हैं और वह लाइटजलती हैं |

सीख :- हमेंशा उजाला मदद करे जब किसीको मदद चाहिए हो |

जब भी बच्चे पतंग उड़ाते हैं और अगर पतंग कट जाती हैं तो वे नई पतंग खरीदते हैं और उड़ाते हैं

सीख :- जब बच्चा छोटा रहता हैं तब से उसमें मेंहनत करने की कला आ जाती हैं (पतंग काटने के बाद की खरीदना और दोबारा उड़ना) पर पता नहीं बड़े होने से मेंहनत करने की कला क्यों लुप्त हो जाती हैं |

कविता

(राज, पायल दसवी, स\ग्यारवी, स)

कविताओं में शब्दों का दोल
इतने सुंदर इनके बोल
जैसे शुरू हो इनके बोल
सब हो जाए इनमें गोल
माधुमखी लाए थोड़ी यी मधु
इनमें मुस्कान जगाए
गीत से मिले नदियों का जल
बोल रहे हैं कल कल कल

पढ़ना मना हैं:-

(प्रथा दुबे8वी स)

अरे | अरे | अरे | ये क्या कर रहे हैं आप |

ऊपर शीर्षक नहीं पढ़े साफ-साफ तो लिखा हैं कि, ***'पढ़ना मना हैं |'*** फिर भी पढ़े जा रहे हैं | आप अब रुक भी जायिए मत पढ़िए | आप तो मन ही नहीं रहे हैं | पढ़े जा रहे हैं, पढ़े जा रहे हैं, | रुक भी नहीं रहे हैं पर ये आप की गलती नहीं हैं | बल्कि हमारे भारत देश की गलती हैं | क्योकि हमारे देश में जो कम करने क लिए मन किया जाता हैं | हम उसी कम को करते हैं | जैसे की दीवार पर लिखा होता हैं ***'यहाँ थूकना मन हैं'*** पर हम वही पर जाकर थूकते हैं, जहा पर लिखा होता हैं की यहाँ पर कचड़ा ना डाले हम वही पर जाकर कचड़ा डालते हैं | लिखा हैं पड़ना मन हैं फिर भी पढ़ रहे हैं | पढ़ना मन हैं फिर भी पढ़े जा रहे हैं | अब मै भी लिखना बंन्द कर देती हूँ तो पढ़ोगे क्या खाक.

प्रकृति

(शुभ देवांगन 8वीस)

प्रकृति तो, मेंरी सुन्दर माँ हैं ।

सुबह का सूरज माथा चूमकर, हँसते हुए उठाती हैं,
गर्म दोपहर में ऊर्जा भर कर, दिन खुशहाल बनती हैं,
रात की चादर में सितारे चढ कर, मीठी नींद सुलाती,
हरे पेड़ो से सांसे देकर, जीवन हमको देती हैं,
मीठा नीर बहा नदियों में, हरदम हमें पलती हैं,
खिला क खुबसूरत फूलों को, जीवन में रंग भारती हैं ।
प्रकृति, प्रकृति, प्रकृति तो मेंरी सुन्दर माँ हैं ।

भारत का हर बच्चा

(वैष्णवी आर्य आठवी स)

भारत हमारा देश हैं ,
हम बच्चे हैं इसकी शान |
ऊच नाम हो इसका जग में ,
कर दिखलाए ऐसा काम,
नैतिक जिम्मेदारी समझ कर ,
नैतिकता से काम करे हम |
गंदगी फैला भूमिं पर ,
इस देश को न बदनाम करे हम |
इस भारत के इतिहास गगन में
वीरो ने नाम कमाया हैं ,
उनकी दृढ़ इच्छा और श्रधा ने
इसको आजाद कराया हैं |
हर एक बच्चा इस देस का
जग में नाम कमाएगा |
भारत का हर बच्चा-बच्चा ,
जग में ऊचा नाम हो इसका ,
ऐसा काम करके दिखलाएगी |

मन करता हैं

(राज धूव 9वि स)

मन करता हैं सूरज बनकर
अपनी किरण दूर-दूर तक फैलाऊ
मन करता हैं तारे बनकर
टीम-टीम टीम-टीम टिमटिमाता जाऊ
मन करता हैं दादा बनकर
छोटे बच्चो को डराउ
मन करता हैं पापा बनकर
मै भी अपनी मूछ बढ़ाऊं
मन करता हैं तितली बनकर
मै फूलो का रस चुराऊ
मन करता हैं कोयल बनकर
चिड़ियों को मीठे बोल सुनाऊ
मन करता हैं फुल बनकर
गली-गली सुगंध फैलाऊ
मन करता हैं चिड़िया बनकर
ची-ची शोर मचाऊ

संवाद

चाक का ब्लैक बोर्ड से संवाद (कलिका पारधी8वीअ)

ब्लैक बोर्ड :- (खांसकर) ओड, ओड, ओड

चाक :- क्या हुआ ब्लैक बोर्ड? बुड्ढे हो गए क्या?

ब्लैक बोर्ड :- मैं, और बूढा | ऐसा कभी हो सकता हैं क्या? वो तो तुम्हारे कारण खांस रहा था

चाक :- मेंरे कारण !!! कैसे???

ब्लैक बोर्ड :- अरे! अगर तुम मेंरे ऊपर न लिखती, तो तुम्हे मुझमें से ना मिटाते और न ही तुम्हारा पाउडर नीचे गिरता, और नीचे न गिरता तो,और निचे नही गिरता तो पंखा चालू नही करते बच्चे और पंखा न चालू करते तो तुम्हारा पाउडर न उड़ता, और पाउडर न उड़ता तो मुझे खांसी अति |

चाक :- (आश्चर्य) ओडडड ! तो तुम्हारे कहने का मतलब हैं कि ये सब मेंरे कारण हुआ हैं |

ब्लैक बोर्ड :- हाँ! हाँ! हाँ!

चाक :- नेकिन इसमें मेंरी क्या गलती ! अगर मैं तुम्हारे ऊपर न लिखूंगी तो कहा लिखूंगी? कॉपी पर तो नहीं | और वैसे भी अगर मैं तुम्हारे ऊपर ना लिखूं तो कक्षा के बच्चे आराम से लिख पाएगे वो भी एक जगह से देखकर |

ब्लैक बोर्ड :- वो कैसे

चाक :- अरे ! तुम इतने बूढ़े हो और मैं तुम्हारे ऊपर लिखूंगी तो सब बड़ा दिखेगा तो बच्चे अपनी जगह बैठकर जो लिखा हैं वो देख पाएंगे और लिख पाएंगे |

ब्लैक बोर्ड :- हूँ ! हूँ ! ये तो तुमने सही कहा |

चाक :- आखिर मैं हमेंशा सही ही होता हूँ | और एक और बात बताऊँ बच्चे मुझे बहुत पसंद करते हैं, मेंरे लिए झगढ़ते हैं |

ब्लैक बोर्ड :- पर लिखते तो मेंरे ऊपर ही हैं | और तो और मेंरा छोटा रूप भी हैं जिसमें :- के जी वन, के जी टू के बच्चे लिखते हैं | पर एक बात मुझे पसंद नहीं आई |

चाक :- वो क्या ???

ब्लैक बोर्ड :- तुम मेंरे हैंडसम चहरे को बिगाड देती हों, मेंरे ऊपर लिखकर |

चाक :- (हंसकर) तुम और हैंडसम कितनी हंसी वाली बात हैं ! हो तो तुम काले और कहते हो हैंडसम | वो तो शुक्र मनाओ मैं तुम्हारे ऊपर लिखकर तुम्हे सुन्दर बनाती हूँ |

ब्लैक बोर्ड :- पर चाहे कुछ भी हो, तुझे मैं बहुत पसंद हूँ, चाहे मैं कला ही क्यों न हूँ |

चाक :- ये तो तुमने सही कहा |

ब्लैक बोर्ड :- चलो कोई तो बात मैंने सही कही |

दोनों हँसते हैं फिर सो जाते हैं |

सुविचार(गरिमा शर्मा 8वी स)

1. उन लोगो के लिए यह संसार बंधन रूप नहीं है, जो पृथ्वी के समान संतोषी, खम्बे (स्तम्भ) के समान सुस्थिर और झील क समान निर्मल हैं ।

2. घड़े में एक बार पानी भरकर यदि फिर उसे कहीं यों ही रखा रहने दें तो कुछ दिन में पानी सूख जाएगा,किन्तु यदि पानी के भीतर ही वह घड़ा रखा रहे तो पानी कभी ना सूखेगा । यदि एक बार सत्य मार्ग का अवलंबन करके फिर उस ओर से उदासीन हो जाओ तो परिश्रम व्यर्थ चला जाएगा, किन्तु यदि उस पथ पर आरूढ़ रहो तो जीवन उसी तत्व से ओतप्रोत ही जाएगा ।

ख़ुशी के खजाने (गरिमा शर्मा 8वी स)

क्या जाये ढूँढने
और करें तो क्या तलाश ?
ख़ुशी के खजाने हैं,
अपने ही आस-पास ।
जब चाहें नाचे हम,
जब चाहें गाऐ ।
और ताल मिलाकर
तालियाँ बजाए ।
बातचीत भी होती
खुशियों क लिए खास ।
हरी घास पर बैठे
तालियाँ बजाना ।
खेलने के लिए नहीं ।
और कहीं जाना ।
हँसने से रहते हैं
तन-मन दोनों झकास|
और बना सकते हैं
गुलमोहर, अमलातय

मुक्तक

डॉ चंद्जीतयादव(पी.जी.टी. हिंदी)

1. कर्म का हथियार कर दे मुश्किलें आसान सब
   पार पाएं जिंदगी में, ये बनें अरमान जब
   हौसला हारे नहीं चाहे रहें गिर्दाब में
   फ़लसफ़ा बाजीगरी का दर्द हो मुस्कान तब
2. आज कल लोग पढाई का मतलब बताने लगे हैं
   नौकरी नही, ज्ञान हैं, ये समझाने लगे हैं
   खुदा खैर करे ऐसे कमजर्फ़ खैर-ख्वाहों से
   जो लाचार जख्मों पर सरकारी मरहम लगाने लगे हैं |
3. लहू से तर शरीर जिंदा हैं
   मेंरा जख्मी जमीर जिंदा हैं
   रह नही सकता वहाँ पाखंड कोई
   जहाँ कोई कबीर जिंदा हैं

हितकारिणः पादप

(सुरेन्द्र कुमार मेंहरा (शास्त्री) संस्कृत अध्यापक)

वृक्षा:अस्माकम् जीवनं आधारा:सन्ति |एते वृक्षा: पर्यावरणस्य संशोधनं सन्तुलने च परम् सहायकाः|

वृक्षा:जीवेभ्य:शुद्धवायुः,भोजनं,औषधम् आश्रयमपि यच्छन्ति |

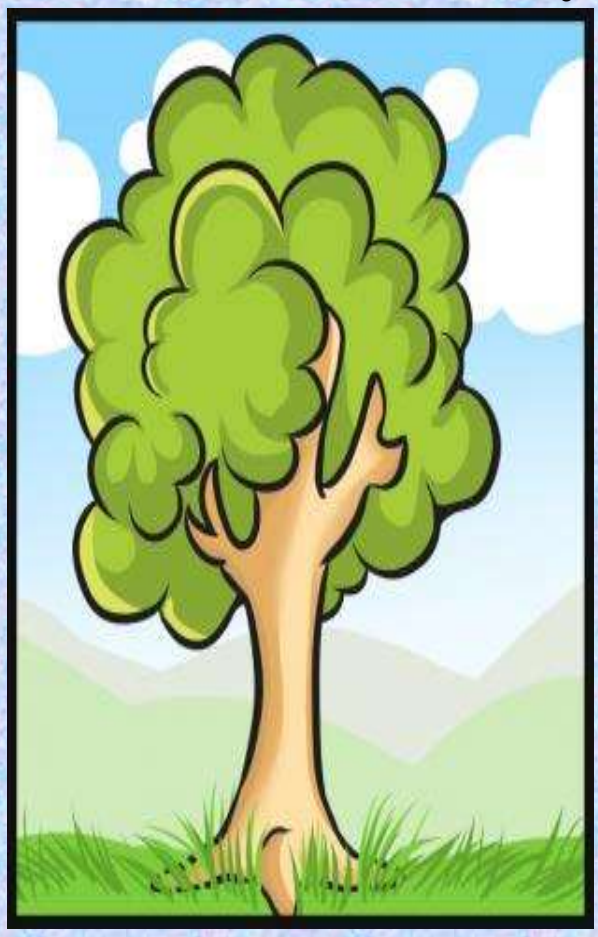

वृक्षेषु पीपल नाम वृक्षः दीवानक्तं आक्सीजनम् व्यजति |एतस्य त्वक् औषधिरूपेण प्रजुज्येत क:न जानाति बोधिसत्व: अस्य ध्यानेन 'बुद्ध' अभवत् |

तुलसी नाम पादपस्य महिमा को न जानाति |असङ्ख्या गुणा:भवन्ति अस्मिन् पादपे |अस्य काष्ठ,पात्राणि च ज्वरनाशका:,रक्तशोधका: च भवन्ति |भागवत पुराणे तु कथितं यत् तुलसी वर्तमान काले ताजमह्लस्य सौन्दर्यम् संरक्षणाय तं परित: सहस्त्र:तुलसीपादपा: आरोपयन्ते |आमलक:वृक्षःतु अमृतवृक्षः एव कथ्यते | अस्य फल सेवनेन आयुः नेत्रज्योतिश्च वर्धते |

ENGLISH DEPARTMENT

INNOVATION TO THE MUSE,THE GODDESS OF LEARNIG

O my Inspiration, thy grace to me is boundless.
Your divine advent in my life is fruitfully harmless.
In the blessings of thy love I feel safe and active .
Only your still numbness can make me passive.
Hover over me , I beseech, as gainful demise ever,
That make me perpetual to shower over all forever.

(Ajit Sing PGT English)

MY SCHOOL!

O my school,
How grand you are !
Rising and Shining on your path,
Spreading your wings to the futurity.
O my school !
What a brand you are !
Shaping and moulding talents in your lap,
Begetting skills on your drastic-daily-duty.
O my school!
What an amend you are !
Rectifying and justifying all their ways,
Developing dynamos for all the stages.
O my school!
What a friend you are !
Guiding and glistening genius well,
Widening all aspects of life day by day.

Education

By- Koustan Mandal

Class- 5th B

Education , Education
Child's first inspiration,
Education is a sword
Which every child wants.
Education is a ladder
to reach our ambition
Education is a solution
To every child's questions.
Education is for knowledge.
Education is for life.
Education is happiness.
Education is laughter.
Education , Education
Child's first inspiration,

The Meaning Of Teacher

(BhaskarJha, Computer instructor)

The first letter of TEACHER is '**T**' .	Its meaning is **TALENTED.**
The second letter of TEACHER is '**E**' .	Its meaning is **ELEGANCE** .
The third letter of TEACHER is '**A**'.	Its meaning is **ABILITY** .
The fourth letter of TEACHER is '**C**'.	Its meaning is **CHARACTER**.
The fifth letter of TEACHER is '**H**'.	Its meaning is **HONEST** .
The sixth letter of TEACHER is '**E**'.	Its meaning is **EFFICIENCY** .
The seventh letter of TEACHER is '**R**'.	Its meaning is **REVERENCE** .

It means that a teacher should be talented so that He/ She can be able to satisfy students'curiosity for asking questions by giving satisfactory answers . He/ She should not mislead his / her students. He/ She must be a man of clarity. He/ She should be elegant , disciplined and civilized . He/ She must have enough qualifications and abilities to teach his / her students. His / her character should be pious and immaculate. He/ She must be honest to his / her duty and to his / her students. He/ She must be efficient and skillful in his / her subject and in his / her ways of expressing his / her thoughts clearly. He/ She must be a self respected man and have respect for others. He/ She can be able to help students to be ideal citizens.

Miscalling (Short story) (Ajit Singh PGT English)

''Tring, tring, tring……''As I was about to finish my breakfast , my mobile began to ring .At once I picked up.

'Hello, Vijay , how are you ? ' I asked.

'Amit , what are you doing now ? the voice came .

'Nothing ' . I answered .

'Then come soon at IT chauraha .I'm waiting for you here .' The voice came again.

'what happened? ' I asked again.

' It's an emergency .Do come soon.' The voice insisted .

Vijay disconnected . Here I was unable to think 'what happened with him?' taking it a serious matter , at once I changed my dress and reached IT chauraha without any delay . there Vijay was awaiting me .

'what 's matter ?' I asked him anxiously.

' Just I am to go to Unnav. I need your company , I can't go alone there .Please join me. It's very urgent .' He requested me.

I can't understand what I should do .If I don't go with him, he will be angry with me .If I go with him, I will waste my precious time . To be confused, I decided to accompany him with a question-what is the matter?

We hired a taxi and reached Charbag Railway Station, but there was no train for Unnav that time .we decided to go by bus .So we at once went to Alambag and caught a bus to Unnav.

At beginning of this journey I did not ask anything about the matter ,but curiosity was compelling me to know the reason why we were going there ,yet I controlled my curiosity until we left the city of Lucknow and came to the highway to Unnanv . the bus was at its speed and slow music was playing on .

Now we were relaxed after catching the bus and taking our seats. We had got our seats. So I burst into words and asked, 'Now tell me what is the problem for which we are going to Unnav.'

He started, ' Last second Saturday ,after attending my coaching class from Mahendra , when I reached the my room ,being completely tired, I threw myself and spread over the bed after switching on the ceiling fan . The air soon began to soothe me with its healing effect and gradually I began to feel relaxation . soon I was at gate of dreamland.

Suddenly my act of sleeping was interrupted by sound of my mobile-ringing . I did not want to receive the call .but thinking from home , I dragged myself to take the phone but as I saw the

screen , I was surprised to get a new unknown number flashing in mobile screen at 11pm of that night. It caused me to think of it because nobody would call me late in night.

'Who's calling me at this time ? I thought .

'May be it is from anyone of my friends!' This thought came in my mind.

I received the call .

'Hello '. I spoke unwillingly.

No voice.

'Hello' . I repeated again the same word.

No response .

'Hello'. I said again uninterestingly and awkwardly with a bit of anger.

'Hello' a clear sweet female voice came .

It left an strange effect upon me and at once I came out of my napping .but I was unable to know , 'who was she ? ' My curiosity forced me to know her .

'Hello , who are you speaking ? ' I asked

' Hello , who are you? ' The voice came .

' I'm Vijay ,Vijay chaudhari from Lucknow and you? ' I asked emphatically.

' Sanjana , sanjana Srivastava from Unnav .' the sweet voice answered.

'How did you get my mobile number.' I wanted to know.

'I was just trying and mistakably I dialed you. ' The voice came.

'Not mistakably ,it's god willing.'

'Okay, now have you some time for me?'

'For what ?'

'I'm unable to sleep now ;So I would like to talk to you for a few minutes.' She requested.

'Okay ,say what you want to share now with me.' I easily agreed .

'What were you doing now a days? '

' Now-a-days I'm preparing for bank and I have joined a computer institute , Jetking and what do you do ? '

'I have just completed my graduation this year but unable to decide what to do.' she explained.

'It's a general problem for our youth , generally they are unable to choose an apt profession for themselves.'

'Yes ,but many of us fall behind in lack of proper guidance in the race of life .'

'Sanjana ,come here.' I heard a faint voice growing loud and guessed perhaps she was her mother. Then she had disconnected before I asked anything more . I was highly surprised at her frank treatment .thinking of it, I again started my journey to dreamland.

Next day was Sunday . I have completed my work. I was generally free from 11 a.m. to evening . So I take a good sleep. Then, about 2 p.m. I tried to ring her and as I ringed first time it was picked up.

'Hello' she started.

'Hello' I responded.

'Ay, Vijay ji how are you? ' She asked.

' I'm fine and how are you ? ' I repeated the same question quite well 2

'Quite well '. She responded cheerfully .

'What are you doing now?' I wanted to know.

' Talking to you' she was straightforward in her answer.

'Okay , I know but ….? ' I insisted.

. ' Nothing except watching my all surroundings.' she said .

' Can we be friend ? I proposed to her.

'Why not? We can be friend but we are friends' .she easily agreed.

' Okay .' I supported her.

Thus an strange meeting on cell made us close to a friendship , then with course of time, we were in love. Today is our date to meet at ,Unnav, Railway station. And now we are going to meet her .

' How foolish you are ! what don't you think your family ? I said angrily.

' I know I've two children ,but have you ever thought of our growing age ? It never returns, so I want to enjoy the every such chance without any tension and get my love . One day when we are to die, live as you wish .' He explained .

' It's not good .' I spoke .

' Then , tell me what is good - Nothing in this world . Everyone is busy to betray others for his profit.'

He twisted the fact and smiled ,which made clear that he did not care such instructions ; it hurt me and I was regretting to join him. He was quiet and watching ,running objects outside while I was feeling a guilt to come with him. Such thoughts tightly wrapped my mind .

Suddenly the bus conductor cried to inform us that Unnav is come. After a few minutes , the bus stopped and we alighted; then hired an auto and reached railway station. The station was packed with various type of people and the atmosphere was very noisy. Nobody cared what the other is doing. We are also the part of that .

Now Vijay was trying to call her, waiting for her outside the station. When he succeeded to call her , we came at platform. He again called her sto know her exact situation .Then , he was able to know where she was. He moved to the over bridge and I also followed him. At over bridge , I saw a long but not well fair complexioned ,healthy girl was standing , accompanied by a black beauty. she did not look glamorous and also not well dressed and I know Vijay' s taste of girl.

I stopped at a certain distance , he went to her while he was not in cheerful mood. His dreams were dispersed. I saw he was talking to her without any interest and then made some instructions to her for some form , returned to me at once without any interest in her as a lover has for his beloved, told me to leave the place immediately . He began to move towards outside and I was following him, trying to know what happened. Moving forward , suddenly I turned back for a moment. I saw.

She was calling us with a broken heart and hopes. Perhaps she was unable to understand why she was rejected , but it was not good . I pressed him to stay and listen to her, but he did not agree. I told him what happened if she is not beautiful , dashing , fashionable and so much attractive . We came here to meet her , we should talk to her, listen to her ,and at last, after returning Lucknow , you would do as you wanted . At any rate , he was not ready to stay there.

We ,then, came to roadways and caught a bus for Lucknow.

I wanted to know whose heart was broken and whose feelings were hurted. Therefore , I asked Vijay why you did so. He explained :

' I had imagined that she would be a beautiful , attractive and delicious , rich girl, I will make some money from her and call her to Lucknow to be appear in a examination and enjoy her physically.'

It was a blow to my self- respect . I felt some uneasy. It seemed awkward to me . I rebuked him for his abominable thinking. Yet I could not help concluding:

' Hearts were broken ; feelings and emotions were hurt ; dreams were scattered , not of one but both of them . But one was dedicated to love while another , to self. '

Computer Department

Article

How to do secure online transaction

We are all purchasing goods online more frequently nowadays; whether they are presents, treats for ourselves, or practical buys for the house. We shop online now more than we visit stores, which is fine so long as you take extra precautions to keep your personal information safe. Consider these five tips to secure your online transactions.

1. **Use a Secure Connection** :

A secured connection is an encrypted (SSL) internet connection that hides what you are doing from unauthorized people. (Which is especially handy if you are using an open Wi-Fi connection.) Recognizing the difference between a secure and insecure connection is simple. Https:// is a secured site. Http:// is not secured.

2. **Determine If a Site is Trustworthy:**

You must always make payments through sites you know you can trust. Giving your personal information, such as your bank details and passwords to a site you are unfamiliar with, is asking for trouble. Look up its reputation first. You should also use secured gateways when making online purchases. For example, AlertPay and PayPal are two trusted online transaction sites that allow you to make payments through them, rather than straight from your bank account.

3. **Keep an Eye on Your Transactions:**

When you have a busy life, keeping up-to-date with your monthly and weekly transactions can be difficult. Make sure you keep an eye on your banks statements and what you've been purchasing, and especially keep tabs on when and where. You'll be better equipped to notice an unusual purchase then, and put a block on your card.

4. Secure Passwords

Passwords and codes are becoming more sophisticated over time. Take advantage of this when completing online transactions. For example, online banking services do not ask you for your entire password or pin in one go. This means that should anyone claim to be your bank, and ask you for your full information, you'll know it is a scam. Also, some banks have 2-factor authentication services now, where a passcode or pin number is sent to your mobile phone every time an online transaction takes place–and will only be approved once you confirm the purchase with by entering the code. This ensures that you are who you say you are by asking for something you know (your password), and something you have (your phone).

5. Leave No Evidence Behind

If you were required by a friend or relative to hand over your personal details via email or text, make sure you delete all evidence, and remind them to delete the information once they're done with it. Too many accounts are accessed and used illegally due to people carelessly leaving details lying around. Also do not write your passwords down. It's too easy for someone to spot it.

Mr. R.K. Upadhayay
(PGT CS)

कला अनुभाग

Made By - Aaron Vijayan
7 °C

FEMALE
VANSHIKA SAHA, X-B

KEEP YOUR SCHOOL CLEAN

Photo Gallery

KENDRIYA VIDYALAYA JAGDALPUR

KENDRIYA VIDYALAYA JAGDALPUR

समाचारपत्रों में विद्यालय

केन्द्रीय विद्यालय में नगर सेना के जवानों ने किया प्रदर्शन..

आग लगने पर बचाव की दी जानकारी

केन्द्रीय विद्यालय में मनाया गया विदाई समारोह

परी, तितली, हनुमान, डॉक्टर और पुलिस के वेश में बच्चों ने लुभाया

तीरंदाजी के टारगेट पर निशाना साध रहे खिलाड़ी

प्रतियोगिता... स्वच्छता भाषण में अश्लेषा प्रथम

जगदलपुर | स्वच्छता पखवाड़ा अभियान के तहत शुक्रवार को केंद्रीय विद्यालय परिसर में स्वच्छता भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 16 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया जिसमें कक्षा पांचवी की अश्लेषा कोस्टा को प्रथम पुरस्कार दिया गया। तीसरी से पांचवी के बच्चे शामिल हुए इस आयोजन में सबसे पहले भाषण की शुरूआत माही बिसेन कक्षा चौथी के छात्र ने स्वच्छता पर जागरूकता कैसे लाएं उस पर लोगों को सजग रहने के बारे में बताया जिसकी सभी ने सराहना की।

विद्यार्थियों ने ली शपथ, शिक्षकों ने किया कार्य पाठ

विद्यालय परिवार

S.NO.	NAME	DESIGNATION
1	VIKAS GUPTA	PRINCIPAL
2	DR.CHANDRAJEET YADAV	PGT (HINDI)
3	MR.RAVINDRA KUMAR UPDHAYAY	PGT(CS)
4	MR. MANOJ KUMAR SADRANI	PGT(CHEMISTRY)
5	MR. MANOJ KUMAR GUPTA	PGT(MATH)
6	MR. AJIT SINGH	PGT(ENGLISH)
7	MR SUBHAM CHAUDHARY	PGT(COMMERCE)
8	MR. RAJESH SABRE	TGT (MATH)
9	Mrs. VANDINI JOHRI	TGT (LIB.)
10	MRS. PRERANA KUMARI	TGT(WE)
11	MR. KAMAL KUMAR NAG	TGT(AE)
12	MR. SITARAM SUVAN	TGT(HINDI)
13	MS.ANKITA KAUSHAL	TGT(PH&E)
14	MR. GOVIND NARAYAN PATHAK	TGT(SOST)
15	MR. VIVEK KUMAR NAITHANI	TGT(MATH)
16	MR. PRAMOD KUMAR	TGT (ENGLISH)

17	MR. VINAY KUMAR	TGT(BIO)
18	MRS.VIJAYLAXMI	PRT
19	MR. ARENDRA BASUDEV	PRT & HM I/C
20	MR.P.C BISEN	PRT
21	MR. SANDEEP ANIL SALVE	PRT
22	MR.KISHOR KUMAR	PRT
23	DR. PRAVEEN KUMAR	PRT (MUSIC)
24	MR. SURYA KUMAR SAHU	PRT
25	MR. RAJESH V KAREMORE	PRT
26	MR. AJIT SAHU	PRT
27	MS GEETANSHA AGGARWAL	PRT
28	MRS. JYOTI DALAL	PRT
29	MS. SHWETA	PRT
30	MS. AASHIMA	PRT
31	MR. HIMANSHU SHARMA	PRT
32	MR. D.R. THAKUR	SUB STAFF
33	MR. RAJESH KUMAR	JSA

धन्यवाद